Roll No. _____ [Total No. of Pages : 1

PGIIS 1270 A-16
M.A. IInd Semester (CBCS)Degree Examination
Hindi
(History of Hindi Literature Part-II)
Paper : HC.-2.1

Time : 3 Hours Maximum Marks : 80

सूचनाः- क) कुल सात प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
ख) नवाँ प्रश्न अनिवार्य है।

1. आधुनिक काल को पुर्नजागरण काल कहा जाता है- समझाइए।
2. भारतेंदु युईन सामान्य प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालिए।
3. छायावाद में कल्पना को अधिक महत्व दिया गया है। सोदाहरण लिखिए।
4. उपन्यास साहित्य के विकास में प्रेमचंद का क्या योगदान है। अलोचना कीजिए।
5. नयी कविता के विकास में अज्ञेय का क्या स्थान है। समझाइए।
6. जीवनी और आत्मकथा साहित्य में क्या अंतर है। लिखिए।
7. दक्खिनी हिंदी साहित्य पर लेख लिखिए।
8. द्विवेदी युगीन प्रमुख प्रवृत्तियों की आलोचना कीजिए।
9. किन्हीं चार पर टिप्पणी लिखिए।
   क) कहानी
   ख) प्रगतिवाद
   ग) संस्मरण
   घ) नाटक
   ड़) निबंन्ध
   च) आलोचना

Roll No. _____ [Total No. of Pages : 1

PGIIS 1271 A-16
M.A. IInd Semester (CBCS) Degree Examination
Hindi
(Western Poetics)
Paper : HC.-2.2

Time : 3 Hours Maximum Marks : 80

सूचनाः- क) कुल सात प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
ख) नवाँ प्रश्न अनिवार्य है।

1. पाश्चात्यकाव्यशास्त्र के ऐतिहासिक विकास को रेखांकित कीजिए। **(10×6=60)**
2. लौंजाइनस के उदात्त सिद्धांत की समीक्षा करते हुए उसके स्त्रोतों का परिचय दीजिए।
3. ड्राइडन के काव्यसिद्धांत की आलोचना कीजिए।
4. आलोचना के स्वरूप और प्रकार्य सम्बन्धी मैथ्यू अनल्डि के विचारों से अवगत करवाईये।
5. मार्क्सतादी सिद्धांत के आधारभूत तत्वों की समीक्षा कीजिए।
6. उत्तर आधुनिकतावाद वा तात्विक विवेचन कीजिए।
7. आई.ए. रिचर्डस के व्यावहारिक आलोचना संम्बन्धी विचारों का परिचय दीजिए।
8. निर्वैयक्तिकता सिद्धांत का सविस्तार विश्लेषण कीजिए।
9. किन्हीं चार पर टिप्पणी लिखिए। **(5×4=20)**
   अ) संरचनावाद
   आ) स्वच्छन्दतावाद
   इ) दैवी सिद्धांत
   ई) अनुकरण सिद्धांत
   उ) काव्य भाषा सिद्धांत
   ऊ) कल्पना सिद्धांत

Roll No. _____ [Total No. of Pages : 2

PGIIS 1272 A-16
M.A. IInd Semester (CBCS) Degree Examination
Hindi
(Modern Hindi Prose)
Paper : HC. 2.3

Time : 3 Hours Maximum Marks : 80

सूचनाः- क) कुल सात प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
ख) नवाँ प्रश्न अनिवार्य है।

1. होरी किसानों का प्रतिनिधी माना जाता है। सिद्ध कीजिए। **(10×6=60)**

2. 'जिंदगी और जोंक' में लेखक ने व्यक्ति के अस्तित्व को बनाए रखने का प्रयास किया है। सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

3. बादलों के घेरे में नारी के मोद-भंम का चित्रण किया गया है। स्पष्ट कीजिए।

4. आषाढ़ का एक दिन नाटक की तात्विक आलोचना कीजिए।

5. लज्जा और ग्लानि निबंध की समीक्षा कीजिए।

6. 'मुड मुडके देखता हूँ' में अंकित घटना रोचकता पर लिखिए।

7. प्रेमचंदोत्तर उपन्यास साहित्य के विकास पर आलोचना कीजिए।

8. हिंदी निबंध साहित्य में आचार्य रामचंद्र शुक्ल जी का क्या स्थान है। समझाइए।

9. किन्हीं चार की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। **(4×5=20)**

   अ) 'तुम्हें इतना गुस्सा कैसे आ गया ? मुझे तो तुम्हारे ऊपर कितना भी गुस्सा आए, मगर हाथ न उठाऊंगी'।

   आ) " तो का हो रज्जू भगत, मोसाईजी का कह गए हैं। महाबीरजी समुन्दर में कूदते है तो ताडका महारानी का कहती है।"

   इ) 'यद तो आपको फादर एलमण्ड दी बता सकेंगे, मिस लतिका।'

   ई) 'पर कलकत्ता तो मेरे लिए एकदम नई जगह है। वहाँ इस को छोडकर मैं किसी को जानती भी नहीं। अब उन लोगों की कोई जान-पहचान हो तो बात दूसरी है।'

ऊ) 'किसी संबन्द से बचने के लिए अभाव जितना बडा कारण होता है। अभाव की पूर्ति उससे बड़ा कारण बन जाती है।'

ऊ) 'बात तुम जानती हो। ---- मैंने आशा नहीं की भी कि उज्जयिनी जाकर कालिदास इस तरह वहाँ के हो जाएँगे।

Roll No. _____ [Total No. of Pages : 2

PGIIS 1273 A-16
M.A. IInd Semester (CBCS)Degree Examination
Hindi
(Special Study of from of Literature(Novel))
Paper : SC.-2.1

Time : 3 Hours Maximum Marks : 80

सूचनाः- क) कुल सात प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
ख) नवाँ प्रश्न अनिवार्य है।

1. हिन्दी उपन्यास के स्वरूप का विस्तृत विवेचन प्रस्तुत किजिए।

2. हिन्दी उपन्यास की प्रमुख शैलियों का परिचय दिजिए।

3. उपन्यास कार भीष्म साहती के रचनात्मक योगदान की समीक्षा कीजिए।

4. निर्मला उपन्यास में अभिव्यक्त सामाजिक समस्याओं की चर्चा कीजिए।

5. 'झूठा सच' उपन्यास में चित्रित 'भारत विभाजन की राजनीति' का परिचय दीजिए।

6. सुनीता उपन्यास की 'कथा वस्तू' की आलोचना कीजिए।

7. हिन्दी उपन्यास का उद्भव एवं विकास विषय पर लेख लिखिए।

8. हिन्दी महिला उपन्यासकारों का संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत कीजिए।

9. किन्हीं चार की सन्दर्भ सहित व्याख्या लिखिए।

i) वो इनकी माँ-बेटियों को बेइज्जत करें,ये उनकी माँ-बेटियों को बेइज्जत करें।

माँ बेटियों बर -बाद होने के लिए ही है।

ii) स्थापों का भारीपन मृतक के वियोग के शोक के अनुपात से होता है। भरी जवानी में हुई मृत्यू पर सोग - स्थापा अधिन और बूरों के मरने पर कम होता है।

iii) कल्याणी- जथ से ब्रह्मा ने सृष्टि रची, तब से आज तक कभी बारातियो को कोई प्रसन्न नहीं रख सकता। इन्हें दोष निकालने और निन्दा करने का कोई-न-कोई अपसृ मिल ही जाता है।

iv) निर्मला ने कातार नेगों से देखते हुये कहा-दीदी जी कहने की बस नहीं पर बिना कपे रहाँ नहीं जाता, स्वामीजी ने मुझे अदिखारू की दृष्टि से देखा लेकिन मैने कभी मन में भी उनकी उपेक्षा नहीं की.

v) सुनो मैं दावे से कहता हूँ, इस तसवीर की कीमत बहुत है। एक सौ नहीं कहे सौ दौ। हम इसके लिए ईश्वर के और हरिप्रसद के कृतज्ञ है।

vi) भीकान्त आधा मन देना नहीं जानता। पर हरी की थाप ना पता न मिलता था।--- आपसी सम्बन्धों की अपेक्षा भीकान्त कुछ अनुप्रार्थीऔर अनुगृहित प्रतीत होता था। हरि प्रसदा प्रधान और अपेक्षणीय।

Roll No. _____ [Total No. of Pages : 2

PGIIS 1274 A-16
M.A. IInd Semester (CBCS) Degree Examination
Hindi
(Hindi Fiction)
Paper : OE-2.1

Time : 3 Hours Maximum Marks : 80

सूचनाः- क) कुल सात प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
ख) नवाँ प्रश्न अनिवार्य है।

I. किन्हीं छः प्रश्नों के उत्तर लिखिए। **(6×10=60)**

1. कहानी साहित्य के विकास पर लिखिए।

2. हिंदी उपन्यासों के कितने तत्व हैं संक्षेप में समीक्षा कीजिए।

3. कफन कहानी के कथ्य पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

4. 'आकाश दीप' कहानी के प्रमुख पात्रों का चित्रण कीजिए।

5. 'सलाम' कहानी के उद्धेश्य पर लिखिए।

6. 'पाजेब' कहानी के वस्तु निरूपण कीजिए।

7. चतुरी चमार की समीक्षा कीजिए।

8. प्रसाद के जीवन पर प्रकाश डालिए।

II. किन्हीं **चार** पर टिप्पणी लिखिए। **(4×5=20)**

1. परदा

2. प्रेमचंद

3. तमस

4. पंचपरमेश्वर

5. आकाश दीप

6. सलाम